सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 10 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 11 फरवरी, 2026

मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।

डॉ. अब्दुल कलाम

अभिषेक का नामीबिया के खिलाफ खेलने पर... 7 | असम में विधानसभा चुनाव की... 3 | भाजपा कम्युनल राजनीति करती... 2

कैसा बजट ?

किसका बजट

अब तक के सबसे बड़े बजट पर सवाल ही सवाल

» सरकार की नजर में बजट यूपी को ऊंचाइयों पर ले जाने वाला दस्तावेज़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के 9,12,696 करोड़ रुपये के पेश किये गये बजट की विपक्ष ने कटाक्ष किया है। सरकार इसे विकास का विजन बता कर पेश कर रही है तो विपक्ष का आरोप है कि बड़े बजट से कुछ नहीं होने वाला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट को प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला दस्तावेज कहा है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने बजट पर तीखा तंज कसते हुए कहा है कि सरकार ने गरीबों को बेघर कर दिया अब बजट किसके लिए बना रहे हैं?

भारी भरकम बजट

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने यूपी विधानसभा में 9,12,696 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया है जो कि अब तक का सबसे बड़ा बजट है। सरकार का दावा है कि यह बजट प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अहम साबित होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा है कि बजट का 12.4 फीसदी हिस्सा, 6 फीसदी चिकित्सा पर और 9 फीसदी हिस्सा कृषि से जुड़ी योजनाओं पर खर्च होगा। बजट के प्रावधान में अवस्थापना और औद्योगिक विकास का दायरा बढ़ाया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे को मेरठ और हरिद्वार तक ले जाने के लिए व्यवस्था की गई है। बजट में एक्सप्रेसवे से जुड़े कई बड़े ऐलान किए गए हैं। यूपी के किसानों के उत्पाद एक्सपोर्ट हो सकें इसके लिए भी बजट में प्रावधान रखे गए हैं। विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत वेयर हाउस, गोदाम बनाने के लिए सब्सिडी दी जाएगी। बजट के जरिये सरकार का दावा है कि वह ऐसी अनेक योजनाओं पर काम कर रही है जो इस दिशा में किसानों के लिए लाभकारी होंगी।

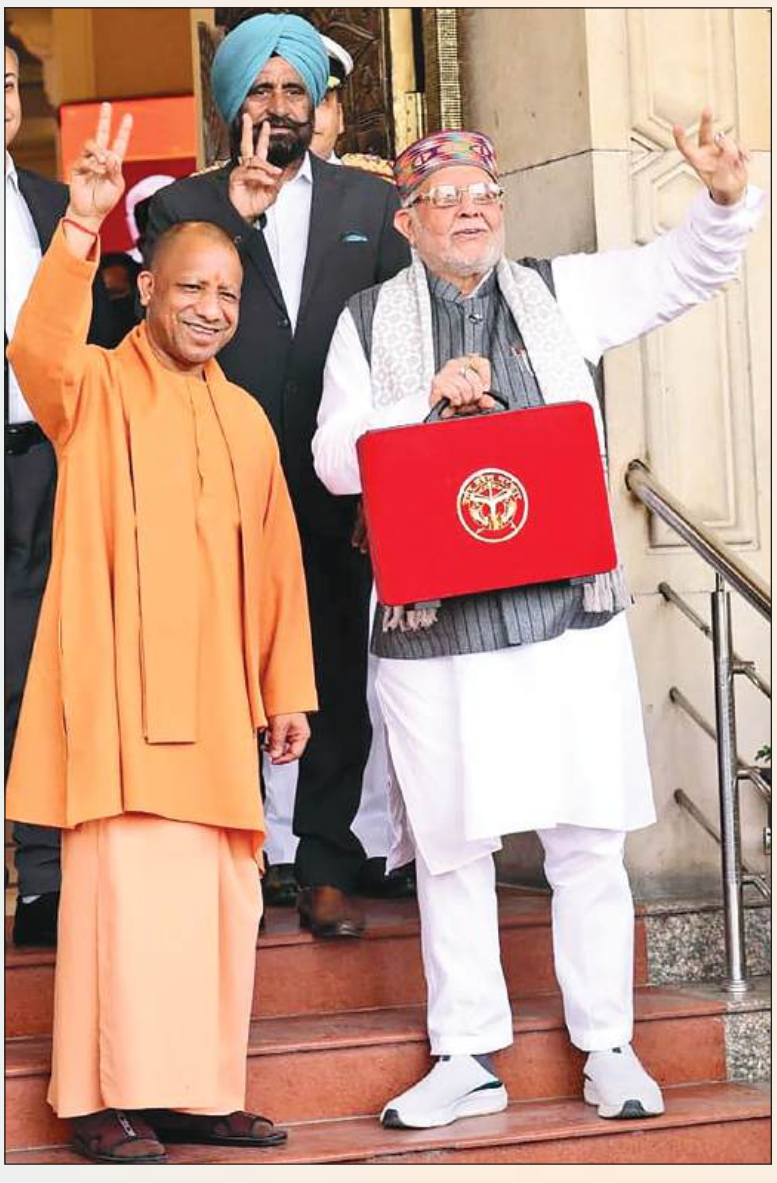

बजट में पिछड़े जिलों को खास तवज्जो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बेरोजगारी दर 2.24 प्रतिशत से नीचे आ गई है। यूपी में युवाओं को रोजगार मिल रहा है। यूपी में नए डेटा सेंटर बनाए जाएंगे। यूपी में अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। बजट में पिछड़े जिलों को खास तवज्जो दी गई है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में 9 सालों में हमने कोई नया टैक्स नहीं लगाया। देश की अर्थव्यवस्था में यूपी तीसरे नंबर पर है। हमने 9 लाख 12 करोड़ लाख का बजट पेश किया है। ये बजट 9 वर्ष के नवनिर्माण का बजट है।

सरकार का दावा

सरकार का दावा है कि यह बजट इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट, स्मार्ट सिटी और औद्योगिक गलियारों के लिए बड़े प्रावधान किए गए हैं। लेकिन विपक्ष का तर्क है कि विकास का अर्थ सिर्फ कंक्रीट और कॉरिडोर नहीं होता विकास का मतलब सिर पर छत, बच्चों के लिए स्कूल, अस्पताल में इलाज और जेब में रोजगार भी होता है। सपा के कद्दावर नेता रामगोपाल यादव ने सरकार की आर्थिक समझ और नीतियों पर व्यंग्य करते हुए कहा है कि जनता को इससे कोई खास लाभ मिलने वाला नहीं है। रामगोपाल यादव ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार पहले ही गरीबों को उनके घरों से बेघर कर चुकी है। उन्होंने कहा जब गरीबों को उनके घरों से हटा दिया गया है तो अब यह बजट किसके लिए लाया जा रहा है? सपा विधायक संग्राम सिंह ने यूपी बजट 2026 पर बयान जारी करते हुए कहा कि हम सब उम्मीद किए हैं कि बजट किसानों के हित में होगा, छात्रों और नौजवानों के हित में होगा। भाजपा ने जो वादा किया था कि स्वास्थ्य सेवाएं को विश्व स्तर पर लाएंगे वह अभी दिख नहीं रहा। बजट से जो पूर्व पूर्वानुमान आए हैं उसमें कुछ दिख नहीं रहे।

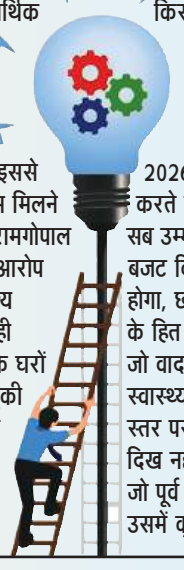

सरकार में बजट को खर्च करने की इच्छाशक्ति ही नहीं : आराधना मिश्रा

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सरकार तो बजट के आंकड़े प्रस्तुत करती है पर सच तो यह है कि सरकार में बजट को खर्च करने की इच्छाशक्ति ही नहीं है।

पेपरलेस विधानसभा में एक बार फिर कागज का बजट पेश : शिवपाल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा बजट पर तंज कसते हुए बयान जारी किया है कि पेपरलेस विधानसभा में एक बार फिर कागज का बजट पेश किया गया। बजट में कोई विजन नहीं है। यह सिर्फ धोखा है। उन्होंने आगे कहा कि छात्र, किसान, नौजवान और पीड़ित लोग इनसे उब चुके हैं और मन बना लिए हैं कि आगामी चुनाव में हम इन्हें हराएंगे और पीडीए की सरकार बनाएंगे।

विकास की पटकथा या चुनावी रणनीति?

अर्थशास्त्रीयों की नजर में 9.12 लाख करोड़ रुपये का आकार निश्चित रूप से प्रभावशाली है। यह पिछले वर्षों की तुलना में बड़ा है और सरकार इसे आर्थिक मजबूती का संकेत बता रही है। कैपिटल एक्सपेंडिचर में बढ़ोतरी, एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट विस्तार, औद्योगिक निवेश और शहरी विकास पर बड़ा फोकस है इन सब चीजों को इस बजट की मुख्य धुरी बताया जा रहा है। सरकार का तर्क साफ है कि इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा तो निवेश आएगा। निवेश आएगा तो उद्योग लगेंगे। उद्योग लगेंगे तो रोजगार पैदा होगा लेकिन लेकिन विपक्ष का सवाल है कि क्या यह माडल जमीन पर गरीबों और युवाओं तक पहुँचेगा? यूपी में बीते वर्षों में अवैध अतिक्रमण और अपराध के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर बड़े पैमाने पर बुलडोजर अभियान चला। सरकार इसे कानून व्यवस्था की मजबूती का प्रतीक बताती है। लेकिन विपक्ष इसे गरीबों और खास समुदायों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के रूप में पेश करता है। रामगोपाल यादव का तंज इसी बिंदु पर चोट करता है। कि जिन परिवारों के घर टूटे उनके पुनर्वास का क्या? क्या बजट में शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजना का विस्तार हुआ? क्या विस्थापितों के लिए अलग पैकेज है?

भाजपा कम्युनल राजनीति करती है : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- मुख्यमंत्री कयामत जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा ने एकबार फिर भाजपा पर हलमा बोला है। बाराबंकी में सीएम योगी ने कहा कि बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी। इस पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए 'कयामत' जैसे उर्दू शब्दों के इस्तेमाल पर तंज कसा और भाजपा पर कम्युनल राजनीति का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है।

बाराबंकी में एक सभा में सीएम योगी ने कहा, जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे हैं वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी भी नहीं बनने वाली है। इस पर नई दिल्ली में अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा, मेरी अपील है कि मुख्यमंत्री जी को उर्दू से दिक्कत है, तो कयामत जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करें। बाराबंकी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती उतना करती है। उतना ही बोलती है जितना करती है। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे है वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब

कभी भी नहीं बनने वाली है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे। याद करिए 500 साल बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कितनी सरकारें आई कितनी गईं। कितने राजा महाराजा हुए मगर अयोध्या में राम मंदिर क्यों नहीं बनवाया। राम सबके है। कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाकर संकट में राम को याद करते हैं। बाकी राम को विस्मित कर देते हैं इसलिए अब भगवान राम उनको भूल चुके हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कयामत के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। कानून मानोगे तो फायदे में रहोगे। नहीं तो आगे का रास्ता सीधा जहन्नुम जाता है। कानून तोड़ने वाले जहन्नुम जाएंगे। हर भारत वासी का एक ध्येय एक भारत श्रेष्ठ भारत हो। हमारा देश वैभवशाली हो। विकसित हो।

एक सीएम जो उर्दू के खिलाफ था अब कयामत जैसे शब्द बोल रहा है

नई दिल्ली में समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाबरी मस्जिद पर दिए बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बीजेपी को जब सत्ता जाने का डर होता है तो वह कम्युनल हो जाती है। योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से उर्दू के विरोध को देखते हुए कयामत जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करने की भी अपील की। उन्होंने कहा, उनसे कहो कि कयामत जैसे उर्दू शब्दों का इस्तेमाल न करें। एकसीएम जो उर्दू के खिलाफ था, अब कयामत जैसे शब्द बोल रहा है। कुछ और शब्दों का इस्तेमाल करें। जितना ज्यादा डर, वे उतने ही ज्यादा कम्युनल होते हैं।

आम लोगों के हक की लड़ाई लड़ती रहूंगी : पल्लवी पटेल

» यूजीसी के समर्थन में मार्च करते समय पुलिस से हो गई थी झड़प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस और अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल के बीच झड़प हो गई। पल्लवी यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में पैदल मार्च निकाल रही थीं। वह आईटीम चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था।मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। बैरिकेडिंग की गई थी।

पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने फिर रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। इसके बाद वो सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पल्लवी पटेल ने कहा, प्रदर्शन नहीं आम जनता के मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरे हैं। इसका जवाब हम सरकार से चाहते हैं। उद्देश्य इतना है कि समानता को बढ़ावा देने वाले यूजीसी रेग्युलेशन 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और संसदीय समिति की संस्तुति के बाद लाया गया, तो फिर समाज के एक वर्ग के लोगों के

विरोध में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए बैन क्यों लगाया। समानता को लागू करने वाला कानून था। जब इस रेग्युलेशन में खामियां हैं, तो जीएसटी, नोटबंदी, धारा-370 जैसे कानून रातों रात कैसे आए। क्या उनमें कमियां नहीं थीं। सुधार की गुंजाईश हमेशा रहती है, तो इस पर बैन क्यों लगा। यूनिवर्सिटी में यह रेग्युलेशन लागू होना चाहिए। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। इसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर बैठ गईं।

लैंड फॉर जॉब मामले में आरोप बेबुनियाद : तेजस्वी

» कोर्ट में किया इनकार, ट्रायल का करेंगे सामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट में जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश हुए। तेजस्वी ने कोर्ट में सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वे इस मामले में ट्रायल का सामना करेंगे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में 6 अगस्त 2024 को पहला पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव सहित कई अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष अदालत ने 18 सितंबर 2024 को इस पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया और ईडी द्वारा प्रस्तुत 96 दस्तावेजों को सबूत के तौर पर रिकॉर्ड में शामिल कर लिया। हालांकि, इस मामले में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति (प्रॉसीक्यूशन सैंक्शन) का मामला अभी भी लंबित चल

रहा है। घोटाले से संबंधित सीबीआई जांच के मामले में अदालत पहले ही 4 अक्टूबर 2023 को तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को जमानत दे चुकी है। सीबीआई ने अपना दूसरा पूरक आरोपपत्र 22 सितंबर 2023 को दाखिल किया था, जिस पर अदालत ने संज्ञान लिया। इससे पहले सीबीआई ने 7 अक्टूबर 2022 को 16 आरोपियों के खिलाफ मूल आरोपपत्र दाखिल किया था, जिस पर 27 फरवरी 2023 को अदालत ने संज्ञान लिया था। ईडी के मामले में राबड़ी देवी, मीसा भारती, सीमा यादव और हृदयानंद चौधरी को 7 मार्च 2024 को नियमित जमानत मिल चुकी है।

'सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं'

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन बोले- राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कांग्रेस और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए, क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। स्टालिन ने कांग्रेस जैसे डीएमके के सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के साझा शासन मॉडल को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। हाल ही में कांग्रेस के भीतर से कुछ नेताओं ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की मांग उठाई थी।

स्टालिन ने जोर देकर कहा कि सत्ता-साझाकरण व्यवस्था तमिलनाडु के लिए उपयुक्त नहीं होगी। स्टालिन ने कहा कि शासन में हिस्सेदारी की मांग तमिलनाडु पर लागू नहीं होती। वे इसे हमसे बेहतर जानते हैं। यह नारा उन लोगों की सोची-समझी साजिश है जो हमें एकजुट नहीं देख सकते। हालांकि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि राज्य में चुनाव होने पर कांग्रेस सहयोगी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से डीएमके गठबंधन

में बनी रहेगी। हमारा गठबंधन सौहार्दपूर्ण है। मीडिया जानबूझकर कुछ अनावश्यक धारणाएं बना रहा है।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपने संबंधों को दोनों पार्टियों के बीच निरंतर गठबंधन का एक महत्वपूर्ण तत्व बताया। गांधी ने डीएमके नेता कनिमोझी से बातचीत करके गठबंधन में तनाव कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है ताकि कांग्रेस डीएमके के साथ बनी रहे। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी मेरे भाई जैसे हैं; वे मेरे परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने खुद भी कई बार यह कहा है। हमारा रिश्ता राजनीति से परे है।

औपचारिक सीट बंटवारे की बातचीत 22 फरवरी से

इससे पहले, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेल्वा पेरुंथगई ने भी संकेत दिया था कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन अंतिम रूप से तय है और औपचारिक सीट बंटवारे की बातचीत 22 फरवरी से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन बेहद मजबूत गठबंधन है। जनता पहले ही यह प्रमाणित कर चुकी है कि यह सरकार बनी रहेगी। हमें लगातार जीत हासिल करने में कोई संदेह नहीं है। सब कुछ अच्छा ही हो रहा है। 22 तारीख को होने वाली गठबंधन वार्ता सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

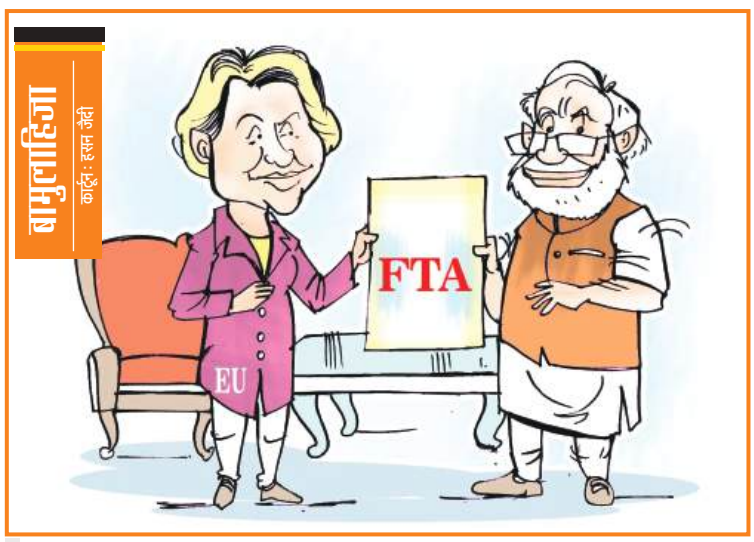

मध्य प्रदेश बजट सत्र से पहले सियासी चक्रव्यूह

कांग्रेस ने बनाई रणनीति, भाजपा सरकार को घेरने की तैयारी, उमंग सिंघार ने बुलाई विधायक दल की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरन के लिए चक्रव्यूह की रचना कर ली है।

कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी को भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है, जिसमें बजट सत्र के दौरान भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति और रूपरेखा तय की जाएगी। भोपाल स्थित

74 बंगला के बी-12 (ए) में शाम 7:30 बजे होने वाली इस बैठक में कांग्रेस विधायक प्रदेश से जुड़े जनहित के बड़े मुद्दों पर मंथन करेंगे। उमंग सिंघार ने साफ किया है कि कांग्रेस बजट सत्र में भाजपा सरकार की नाकामियों को पूरी मजबूती से विधानसभा में उठाएगी और हर सवाल पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

दूषित पानी से हुई मौत जैसे मुद्दों को उठाएंगे

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि बैठक में बेतहाशा कर्ज, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतें, किसानों का समर्थन मूल्य, ओलावृष्टि से फसल नुकसान, युवाओं का रोजगार, आदिवासी-दलितों पर बढ़ते अत्याचार और प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस इन मुद्दों को विधानसभा में हथियार बनाकर सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी।

असम में विस चुनाव की आहट

सियासी दलों में शुरू हो गई सुगबुगाहट

- भाजपा व कांग्रेस ने मोर्चे बनाने किए आरंभ
- गौरव गोगोई व हेमंता में वार-पलटवार जारी
- शीर्ष नेताओं के राज्य के दौरों की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में इस वर्ष विधान सभा चुनाव है। जहां बीजेपी तीसरीबार सत्ता में वापसी के लिए ताल ठोंकेगी वहीं कांग्रेस दस साल से राज्य में अपने बनवास को खत्म करने के लिए भाजपा को पटखनी देने को दम दिखाएगी। इसबीच भाजपा व कांग्रेस ने एकदूसरे पर वार-पलटवार प्रारंभ कर दिया है। कांग्रेस ने राज्या की चुनावी की कमान गौरव गोगोई को सौंप दी है। इसी के साथ उन्होंने सीएम हेमंत पर हमले तेज कर दिए है। उधर दोनों की पार्टियों के शीर्ष नेता राज्य के दौर` भी करने लगे हैं।

भाजपा नेता व राज्य के सीएम कांग्रेस व गोगोई पर प तीखे प्रहार कर रहे हैं। उधर वह ध्रुवीकरण करके वोटों को भाजपा में बरकारार रखने की जुगत में लग गए है। इसलिए मुसलमानों पर विवादित बातें बोलते रहते हैं। हालांकि उनकी इन बेतुके बयानों को लेकर मामला शीर्ष अदालत में पहुंच गया है। इसबीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा एक कथित हेट स्पीच वीडियो पर शिकायत दर्ज कराने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि वे जेल जाने को तैयार हैं। सरमा ने वीडियो की जानकारी से इनकार करते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अपने कड़े रुख को दोहराया, जबकि ओवैसी ने वीडियो को मुसलमानों के खिलाफ हिंसा भड़काने वाला बताया है।

असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में असम के मुख्यमंत्री पर रिपोर्ट दर्ज कराई

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद शहर पुलिस में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ एक हटाए गए वीडियो को लेकर आपराधिक कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कथित तौर पर मुसलमानों के खिलाफ हिंसा दिखाई गई थी और इसे नरसंहारकारी घृणास्पद भाषण बताया गया था। एक पोस्ट में, ओवैसी ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त से संपर्क किया था और आरोप लगाया था कि वीडियो में सरमा को प्रतीकात्मक रूप से उन लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है जिन्हें स्पष्ट रूप से मुसलमा के रूप में दर्शाया गया है। शिकायत के अनुसार, वीडियो इस साल 7 फरवरी को असम भाजपा के आधिकारिक अकाउंट से अपलोड किया गया था और एक दिन बाद हटा दिया गया था, हालांकि यह सोशल मीडिया पर प्रसारित होता रहता है। ओवैसी ने तर्क दिया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां संवैधानिक रूप से घृणास्पद भाषण के मामलों में स्वत: संज्ञान लेने के लिए बाध्य हैं, भले ही कोई औपचारिक शिकायत न हो।

सरमा के परिवार के पास एकड़ों जमीन पर अवैध कब्जा

कांग्रेस सांसद ने फिर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा के परिवार ने असम भर में 12,000 बीघा (लगभग 4,000 एकड़) जमीन अवैध रूप से अपने पास रखी हुई है। उन्होंने मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के साथ सहयोग करने की सहमति जताते हुए एसआईटी की रिपोर्ट जारी करने की मांग की। गोगोई ने कहा कि कल की लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस के पीछे मुख्य कारण कांग्रेस पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता है अगर यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला होता, तो वह (असम के मुख्यमंत्री) पिछले छह महीनों से निष्क्रिय क्यों बैठे थे? कांग्रेस पार्टी द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद कि मुख्यमंत्री के परिवार के पास 12,000 बीघा जमीन है, मुख्यमंत्री को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जेल जाने को तैयार : सरमा

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा एक हटाए गए वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर प्रतिक्रिया देते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि उन्हें गिरफ्तारी से कोई आपत्ति नहीं है और उन्होंने अपने इस कथन पर जोर दिया कि वे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि मैं जेल जाने के लिए तैयार हूं, मैं क्या कर सकता हूं? मुझे किसी वीडियो के बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्होंने मेरे खिलाफ मामला दर्ज कराया है, तो मुझे गिरफ्तार कर लें; मुझे क्या आपत्ति है? मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मैं अपने कथन पर कायम हूं, मैं बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ हूं और उनके खिलाफ खड़ा रहूंगा।

सीएम की कुर्सी के लायक नहीं सरमा : गौरव गोगोई

असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के पाकिस्तानी एजेंट वाले आरोपों पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने सरमा पर अपने बच्चों की जानकारी लीक करने का आरोप लगाते हुए उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य बताया। गोगोई ने एसआईटी रिपोर्ट को सबूतहीन करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर स्वत: संज्ञान लेने की अपील की है। असम कांग्रेस अध्यक्ष और जोरहाट सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के पाकिस्तान कनेक्शन के आरोपों पर पलटवार करते हुए सुप्रीम कोर्ट से मुख्यमंत्री के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेने की अपील की। ह्नोंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने बच्चों की जानकारी मीडिया में लीक की है। मुख्यमंत्री सरमा ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट जारी करते हुए आरोप लगाया कि गौरव गोगोई, उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई और एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच गहरे संबंध हैं। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री सरमा पर अपने बच्चों की जानकारी लीक करने के लिए जमकर निशाना साधा और उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य बताया। उन्होंने कहा कि वह इतनी नीच हरकत पर उतर आए कि उन्होंने मेरे बच्चों से जुड़ी जानकारी भी लीक कर दी। हम भी उनके बच्चों के बारे में जानते हैं; सबको पता है, लेकिन हम इसे उजागर नहीं करना चाहते। उन्होंने साबित कर दिया है कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी के लायक नहीं हैं। उनकी बातों से असम शर्मसार हुआ है। वे झूठी जानकारी क्यों फैला रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट को उनके खिलाफ स्वत: संज्ञान लेना चाहिए।

सीएम सरमा की हरकत अदालत तक

असम बीजेपी द्वारा जारी एक वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को मुस्लिम टोपी पहने लोगों पर गोली चलाते दिखाए जाने से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, विपक्ष ने इसे नफरत फैलाने वाला करार दिया, जिसके बाद भारी विरोध के चलते पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। उधर इस मामले को लेकर वाम पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी डाली है। बीजेपी असम द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो ने देशभर में एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को एक एयर राइफल से उन लोगों पर निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखाया गया है जिन्होंने मुस्लिम टोपी पहनी हुई थी। हालांकि भारी विरोध के बाद इस वीडियो को डिलीट कर दिया गया है, लेकिन इसे लेकर गुस्सा अभी कम नहीं हुआ है। बीजेपी असम के आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर किए गए इस वीडियो में कुछ आपत्तिजनक बातें दिखाई गई थीं। वीडियो में, मुख्यमंत्री को मुस्लिम समुदाय के लोगों की तरह दिखने वाले किरदारों पर गोली चलाते दिखाया गया। वीडियो के ऊपरविदेशी मुक्त असम कोई दया नहीं और तुम पाकिस्तान क्यों नहीं गए जैसे नारे लिखे हुए थे।

विपक्षी नेताओं का तीखा विरोध

वीडियो के सामने आते ही विपक्षी नेताओं ने इसे नफरत फैलाने वाला करार दिया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इसे हिंसा को बढ़ावा देने वाला बताया और प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगा। वहीं टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने इस विज्ञापन को बनाने वालों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह वीडियो एक खास समुदाय के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश है। उन्होंने इसके खिलाफ पुलिस और अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस तरह का व्यवहार सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाला है।

मोही व शाह करेंगे चुनावी शंखनाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम में 100 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जो राज्य में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए पार्टी के दृढ़ संकल्प का संकेत है। इस रणनीति के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को गुवाहाटी का दौरा करेंगे, जहां वे असम भर के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में लगभग एक लाख बूथ स्तर के कार्यकर्ता भाग लेंगे, जो पार्टी की मजबूत जमीनी उपस्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 फरवरी को असम का दौरा करने वाले हैं। अपने दौरे के दौरान, गृह मंत्री महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें करेंगे, चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेंगे और भाजपा की चुनाव प्रचार रणनीति को मजबूत करने के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की यात्राओं से पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी जोश आएगा और उन्हें स्पष्ट रणनीतिक दिशा मिलेगी। भाजपा का लक्ष्य असम भर में विकास, सुशासन और मजबूत संगठनात्मक पहुंच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

निजता का अधिकार हर हाल में सुरक्षित रखना होगा

अभी हाल में सुप्रीमकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को चेतावनी दी कि भारत के संविधान को सभी को मानना होगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा अन्यथा उन्हें देश छोड़ना चाहिए। ऐसी टिप्पणी सराहनीय है। ये आदेश निजता के हनन के मामले में की गई है। जाहिर सी बात है कि हर आम नागरिक को अपने निजी बातों को छिपाने का अधिकार है। डिजिटल संप्रभुता अब केवल तकनीकी या आर्थिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्थिरता से भी जुड़ा प्रश्न बन चुका है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह आवश्यक है कि डेटा के संग्रह, भंडारण और उपयोग से जुड़े नियम पारदर्शी और कठोर हों। डेटा नीति बनाई जाए, ताकि निजता का अधिकार सुरक्षित रहे। बता दें डिजिटल सुरक्षा का मुद्दा दुनिया के तमाम उन देशों के लिए ज्यादा चिंता का विषय बना हुआ है, जहां विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का दबदबा कायम हो चुका है। भारत समेत तमाम दूसरे देशों के डेटा पर भी अमरीकी कंपनियों का कब्जा है।

फेसबुक, एक्स और गूगल जैसे प्लेटफार्म से डेटा सुरक्षा पर आ रहे संकट को देखते हुए अब कई देश विदेशी टेक टूल के इस्तेमाल को धीरे-धीरे या तो सीमित कर रहे हैं या इन्हें बंद कर स्वदेशी और ओपन सोर्स को अपनाने में जुट गए हैं। यह जरूरत इसलिए भी आ गई है कि विदेशी प्लेटफॉर्म न केवल भ्रामक जानकारियों को परोसने का काम कर रहे हैं, बल्कि आर्थिक तौर पर भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। चुनावों तक को प्रभावित करने के आरोप इन विदेशी प्लेटफॉर्म्स पर लगते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के चलते यूरोप के कई देशों ने वर्ष 2027 तक जूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और वेबेक्स जैसे अमरीकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टूल्स का उपयोग बंद करने का निर्णय लिया है। हमारे यहां भी पिछले लोकसभा चुनावों के दौर में विदेशी सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और डीपफेक वीडियो फैलाने के आरोप खूब लगे थे। यह भी कहा गया था कि इनसे मतदाताओं को गुमराह करने का काम भी किया गया। सच तो यह है कि एल्गोरिद्म नफरत भरी सामग्री को बढ़ावा देते हैं। कई बार युवाओं में तनाव, अवसाद, चिंता और आत्मसम्मान की कमी से जूझने के मामले भी देखे गए हैं। यही वजह है कि नेपाल, इंडोनेशिया और मोरक्को जैसे छोटे देशों में भी डेटा प्राइवेसी के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत में भी विदेशी प्लेटफार्मों के जरिए परोसी जाने वाली सामग्री के खतरे कम नहीं हैं। फर्जी खबरें समाज में वैमनस्य फैलाने का काम तो करती ही है, एक खतरा यह भी है कि अमरीकी कंपनियां हमारे डेटा का इस्तेमाल कर बाजार में एकाधिकार कायम करती हैं, जिससे भारतीय स्टार्टअप पिछड़ जाते हैं।

“ डिजिटल संप्रभुता अब केवल तकनीकी या आर्थिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्थिरता से भी जुड़ा प्रश्न बन चुका है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए यह आवश्यक है कि डेटा के संग्रह, भंडारण और उपयोग से जुड़े नियम पारदर्शी और कठोर हों।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समतामूलक समाज लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त

क्षमा शर्मा

यूजीसी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बारे में ऑनलाइन न जाने कितना कुछ पढ़ा, कितने वीडियो और रील्स देख चुकी। सब लोग अपनी-अपनी तरह से बातें कह रहे हैं। बचपन से घर में सुनती आई हूं कि जातिवाद बहुत खराब चीज है। इससे हर हालत में मुक्ति पाई जानी चाहिए। ऐसे बहुत से बच्चों को अपने ही घर में पढ़ते-लिखते देखा, अच्छी नौकरियों पर जाते देखा है, जिन्हें तथाकथित निचली जाति कहा जाता है। इन्हें यहां तक पहुंचाने में बड़े भाई की बहुत भूमिका थी, क्योंकि वह दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे। उस समय जाति तोड़क आंदोलन भी चलते थे, लेकिन आज इनका कहीं नाम भी सुनाई नहीं देता। यद्यपि पढ़े-लिखे तबके में इस बात पर आम सहमति है कि जाति को खत्म होना चाहिए। सभी को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए, लेकिन जातिगत विमर्श नहीं चाहते कि जाति खत्म हो। क्योंकि उन्हें लगता है कि इसी के आधार पर वे सरकार की नीतियों में अपनी जगह बना सकते हैं। अधिक से अधिक हिस्सेदारी पा सकते हैं। नब्बे के दशक में जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गई थीं, तब भी ऐसा आंदोलन हुआ था, लेकिन वह बहुत दिनों तक नहीं चला। सामान्य वर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया। तब देश ने भूमंडलीकरण की तरफ अपने कदम बढ़ाए। जिन लोगों के लिए सरकारी नौकरियां नहीं थीं, वे उधर चले गए और अवसरों की जो कमी कही जा रही थी, वह उतनी नहीं रही। बड़ी संख्या में लोग विदेश चले गए। बताया जाता है कि भारतीय सबसे अधिक पैसा अपने देश में भेजते हैं। देश की आर्थिकी को बढ़ाने में विदेशों में रहने वाले इन भारतीयों का बड़ा योगदान है, जिसका सेहरा अधिकांश राजनेता अपने सिर बांधते हैं। एक तरफ तो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण लाखों की नौकरियां जा चुकीं या जाने वाली हैं। अब नौकरी जाने का आधार यह भी नहीं रहा कि आप कितने मेहनती हैं। किसी कम्पनी की ग्रोथ में आपका कितना योगदान रहा। कम्पनियों को बढ़ाने में आपने चौबीस सात के हिसाब से काम किया। बल्कि रोबोट ही लाटरी के आधार पर फैसला कर रहे हैं कि किसे रखना है, किसे निकालना है। एआई के जन्मदाता ज्योफ्री हिंटन बार-बार कह रहे हैं कि इससे नब्बे प्रतिशत नौकरियां चली जाएंगी। दुनिया की किसी सरकार के पास बेरोजगारों की इतनी बड़ी फौज से निपटने की कोई योजना नहीं है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने ही कुछ दिन पहले कहा था कि

बीस साल बाद लोगों के पास करने के लिए कुछ नहीं बचेगा। लोग सिर्फ शौकिया ही काम करेंगे। ऐसे में यदि विकास के लिए आप पुराने औजारों को ही धार दे रहे हैं तो वे नहीं चलने वाले। अपने देश में नौकरियों में लगातार आरक्षणवाद का बढ़ना लोगों को शंकित करता है। लोग खुद कितनी भी तकलीफ झेल लें, लेकिन यदि उनके बच्चों पर कोई बात आती है तो वे इसे नहीं सह सकते। यूजीसी गाइडलाइंस ने यही किया। लोगों को लगा कि अब तक तो नौकरियों पर ही खतरे थे, अब उनके बच्चे पढ़ भी नहीं सकते। वैसे भी दशकों से सामान्य वर्ग कहे जाने वाले लोगों के लिए सरकारों के पास कोई योजना नहीं है। दस प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण से भी कितने लोगों को नौकरियां मिली हैं। भारत सरकार की ही रिपोर्ट कहती है कि सामान्य वर्ग कहे जाने वाले लोगों में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। लेकिन अपनी ही रिपोर्ट से शायद सरकारों ने आंखें मूंद रखी हैं। जिस लोकतंत्र की दुहाई हम हर रोज देते हैं, वह दरअसल संख्या का खेल है, जिसका जितना वोट, उसे पाने के लिए उतनी ही सरकारी योजनाएं। जितनी जिसकी संख्या भारी, उतनी उसकी हिस्सेदारी। किसी विदेशी विद्वान ने कहा था कि लोकतंत्र एक सतत युद्ध है, जो दिखाई भी देता है। आम शहरी मध्यवर्ग ने सरकार के नारे कि हम दो हमारे दो को अपना लिया। आज तो यह और बढ़कर, हम दो हमारा एक हो गया है। ऐसे में सामान्य वर्ग की आबादी कम भी होती गई है। बढ़ता शहरीकरण भी इसका एक कारण है। कई वीडियो और रील्स ऐसी देखीं, जिसमें लोग यही कह रहे हैं कि सारी जिम्मेदारी हमारी ही क्यों है। हम ही टैक्स दें। हम ही कम से कम बच्चे पैदा करें और हमारी कम आबादी के कारण केंद्र और राज्य की सरकारें हम से मुंह मोड़ लें। ऐसे में एक वर्ग छला हुआ महसूस कर रहा है। देश में चालू विमर्शों, जैसे स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, ओबीसी विमर्श आदि के कारण बहुत से ऐसे कानून बने हैं, जहां एक बार शिकायत करते ही आरोपी को अपराधी बना दिया जाता है। उसे जेल भेज दिया जाता है। सुनवाई भी कहीं नहीं होती। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने यही तो कहा था कि दलित एट्रोसिटीज एक्ट के अंतर्गत शिकायत हो, तो किसी को तुरंत न पकड़ा जाए, पहले जांच की जाए। इस बात पर बहुत से संगठनों ने हल्ला मचाया और न्यायालय के इस निर्णय को सरकार ने पलट दिया।

सहनशक्ति बढ़ाकर करें जोखिम का मुकाबला

जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं। वे 'निनताई' शब्द में बहुत अधिक विश्वास करते हैं। इस जापानी शब्द का अर्थ बहुत गहरा और प्रेरणा देने वाला है। 'निनताई' दो शब्दों के मेल से बना है-निन और ताई। 'निन' का अर्थ है 'सहन करना' या 'छिपाना' और 'ताई' का अर्थ है 'प्रतिरोध' या 'झेलने की शक्ति'। निनताई ऐसी मानसिक शिक्त है जो हमें तब भी मैदान में टिकाए रखती है, जब बाकी सब हार मानकर जा चुके होते हैं।

डॉ. रेणु सैनी

कहते हैं कि मनुष्य और कॉकरोच दो ऐसे जीव हैं जो हर परिस्थिति में जीवित रहना जानते हैं। कई बार मनुष्य को चारों ओर अंधकार ही अंधकार नजर आता है। पीड़ा इतनी गहन हो जाती है कि सब्र नहीं होता। ऐसे में कई लोग हार मान जाते हैं तो कुछ विरले ऐसे होते हैं जो गहन अवसाद और पीड़ा का सामना भी धैर्य और हिम्मत से करते हैं। ऐसे ही व्यक्ति आगे चलकर इतिहास रचते हैं। जापानी लोग बहुत ही सरलता से मुश्किल का सामना करते हैं। वे 'निनताई' शब्द में बहुत अधिक विश्वास करते हैं। इस जापानी शब्द का अर्थ बहुत गहरा और प्रेरणा देने वाला है। 'निनताई' दो शब्दों के मेल से बना है-निन और ताई। 'निन' का अर्थ है 'सहन करना' या 'छिपाना' और 'ताई' का अर्थ है 'प्रतिरोध' या 'झेलने की शक्ति'।

निनताई ऐसी मानसिक शिक्त है जो हमें तब भी मैदान में टिकाए रखती है, जब बाकी सब हार मानकर जा चुके होते हैं। यह बिना शिकायत किए और बिना रुके चलने की कला है। इस कला को सीखने से हर मुश्किल काम व्यक्ति के लिए सहज हो जाता है। हमारे देश के क्रांतिकारियों ने भी 'निनताई' शब्द को अपने जीवन में उतार लिया था। उनकी सहनशीलता इस कदर बढ़ गई थी कि अंग्रेजों का बर्बर व्यवहार अंग्रेजों को ही चौंकाने पर मजबूर कर देता था। भारतीय क्रांतिकारी देश की खातिर अंग्रेजों के हर अत्याचार को बर्दाश्त करता था, मगर उन्हें अपने देश की महत्वपूर्ण बातों की भनक तक लगने नहीं देता था। अविभाजित बंगाल के चटगांव जो कि अब बांग्लादेश में है, के स्वाधीनता आंदोलन के नायक सूर्यसेन उर्फ सुरज्या सेन भी ऐसे ही वीर क्रांतिकारियों में से एक हैं। होश संभालते ही इन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने आरंभ कर दिए थे। इन्होंने अपने साथियों को गुरिल्ला युद्ध के लिए प्रेरित किया। 23 दिसम्बर, 1923 को इन्होंने चटगांव में असम-बंगाल रेलवे के ट्रेजरी ऑफिस को लूटा।

इन्हें सबसे बड़ी सफलता चटगांव आर्मरी रेड के रूप में मिली, इससे अंग्रेज सरकार बुरी तरह छटपटा उठी। सूर्यसेन ने युवाओं को संगठित कर भारतीय प्रजातांत्रिक सेना नामक संगठन खड़ा किया। 18 अप्रैल, 1930 को सैनिक वस्त्रों में इन युवाओं ने चटगांव के सहायक सैनिक शस्त्रागार पर कब्जा कर लिया। सूर्यसेन मास्टर दा के रूप में अपने इलाके में प्रसिद्ध हो गए थे। मास्टर सूर्यसेन ने इन गतिविधियों द्वारा अंग्रेजों को सीधे चुनौती दी थी। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर चटगांव को अंग्रेजी हुकूमत के शासन के दायरे से बाहर कर लिया था और भारतीय ध्वज को फहराया था। क्रांतिकारियों ने टेलीफोन और टेलीग्राफ के तार काट दिए और रेलमार्गों को अवरुद्ध कर दिया।

इन सभी सूचना माध्यमों को ध्वस्त करने के कारण चटगांव से अंग्रेज सरकार का संपर्क तंत्र टूट गया था। इस कारण अंग्रेजों को लोहे के चने चबाने पड़े। अंग्रेज सूर्यसेन के पीछे हाथ धोकर पड़ गए। आखिर 16 फरवरी, 1933 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद अंग्रेजों ने उन पर अमानवीय और बर्बर अत्याचार किए। उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई। लेकिन फांसी देने से पहले उन्हें बहुत अधिक यातनाएं दी गईं। फांसी पर लटकाने से पहले उनके हाथों के नाखून उखाड़ लिए गए। उनके दांतों को हथौड़ों से तोड़ दिया गया। उनके शरीर के सभी अंगों और जोड़ों को बुरी तरह तोड़ दिया गया। मरते-मरते भी सूर्यसेन ने अपने अंतिम पत्र में लिखा, 'प्रिय मित्रों, आगे बढ़ो और कभी अपने कदम पीछे मत खींचना। उठो और कभी निराश मत होना। सफलता अवश्य मिलेगी।' वर्तमान समय में तो 'निनताई' शब्द का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। आज युवाओं में असहनशीलता की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। युवा 'निनताई' के माध्यम से अपनी असहनशीलता को 'सहनशीलता' में प्रवृत्त कर सकते हैं।

इसके लिए उन्हें कोशिश करनी होगी कि जब भी कोई प्रोजेक्ट या काम बहुत अधिक थका दे, तो कुछ देर रुककर अध्यात्म की ओर मुड़ना। अपने अंतर्मन से ये संवाद करना कि श्रम और हिम्मत ही कार्य को पूर्ण कराते हैं। दर्द सहन करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम करना और पौष्टिक भोजन का सेवन करना। सुबह-सवेरे उठकर प्रकृति के सान्निध्य में पक्षियों और पेड़ों को करीब से देखना। आंखें बंद कर अपनी आंतरिक क्षमता को मजबूत बनाना। सत्य के साथ आगे बढ़ना और निरंतर सीखने की इच्छा को जाग्रत रखना। सदैव दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना। उपरोक्त बातें प्रत्येक व्यक्ति की 'निनताई' यानी कि सहनशक्ति को बढ़ा देती हैं और उन्हें जोखिमों से लड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। वही जीतता है जो जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। जो जोखिमों से डरता है, वह कहीं नहीं पहुंचता, उसे केवल उन साधनों से संतोष करना पड़ता है जो जोखिम उठाने वाले लोग छोड़ देते हैं।

ये योगासन कराने से स्वस्थ रहेंगे बच्चे

ताड़ासन

अगर आप भी बच्चों की कम हाइट या उनकी कम ग्रोथ से परेशान है, तो उन्हें नियमित रूप से ताड़ासन जरूर कराएं। इस आसन से शरीर में खिंचाव होता है और मांसपेशियों का भी ठीक से विकास होता है। बच्चों को ताड़ासन कराने से पाचन-संबंधी समस्याएं कम होती हैं। ये आसन करने से कब्ज की समस्या में राहत मिलने के साथ बच्चों का पेट भी साफ होता है। बच्चे मोबाइल और लैपटॉप पर गेम खेलते है। जिस कारण कई बार उनका पोस्चर खराब होने के साथ कमर में दर्द की समस्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में बच्चों को ताड़ासन करने के लिए प्रेरित करें।

भुजंगासन

यह आसन इम्यूनिटी और पाचन को दुरुस्त रखने में असरदार है। इसका अभ्यास बच्चों के पाचन तंत्र को सक्रिय करता है। इम्यून सिस्टम मजबूत बनाने के साथ ही पेट संबंधी समस्याओं में राहत देता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है। योग शरीर को हेल्दी रखने के साथ मानसिक सुकून भी देता है। बच्चों को भुजंगासन कराने से उनमें ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है और वह इसको करने से संयमित महसूस करते हैं। ताड़ासन बच्चों के तनाव को स्तर को कम करने के साथ उन्हें मानसिक शांति देता है। भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में असरदार योग है। भुजंगासन को पाचन, लिवर और किडनी के कार्यों में सुधार करने वाला योगासन माना जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। छाती और फेफड़ों, कंधों और पेट की मांसपेशियों को फैलाता है।

बालासन

पढ़ाई के दबाव में बच्चों के लिए यह आसन बेहद जरूरी है। यह तनाव और थकान दूर करने में मदद करता है। इसके अभ्यास से दिमाग शांत रहता है। नींद बेहतर होती है और चिंता व बेचैनी कम होती है। आनंद बालासन आपके जांघों, कमर और हिप्स में खींचव उत्पन्न करते हैं, जिससे इन क्षेत्रों में तनाव दूर करने और लचीलेपन को बढ़ाने में मदद मिलती है। इस मुद्रा को करने से पीठ के निचले हिस्से में दर्द से राहत मिलती है। यह मुद्रा पैरों में तंग मांसपेशियों को धीरे से खींचकर और पीठ के निचले हिस्से के दर्द को कम करने में मदद कर सकती है। आनंद बालासन आपके मन को शांत करने में फायदेमंद है। इस मुद्रा में हल्की रॉकिंग गति और गहरी सांस लेने से मन को शांत करने, तनाव कम करने और शरीर को आराम देने में मदद मिल सकती है। इस मुद्रा को करने के दौरान पेट हल्का सा दबता है, जिससे पाचन को उत्तेजित करने और सूजन या अपच से होने वाली समस्या से राहत पाने में मदद मिल सकती है।

वृक्षासन

यह आसन बच्चों को मानसिक संतुलन सिखाता है। वृक्षासन एकाग्रता और बैलेंस बढ़ाने वाला आसन है। अगर बच्चा रोज इस आसन का अभ्यास करता है तो उसका फोकस बढ़ता है। आत्मविश्वास मजबूत होता है और घुटनों व पैरों में मजबूती आती है। वृक्षासन का अभ्यास करने से पैर, टखनों, जांघों, पिंडलियों और घुटनों की मांसपेशियां मजबूत होती है। यह योगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। अगर इस योगासन का नियमित अभ्यास करेंगे, तो इससे पैरों में संतुलन और स्थिरता में सुधार होगा। इस योगासन के अभ्यास से पैर और हाथों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे बच्चों की लंबाई बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

नया साल बच्चों की सेहत और आदतों को सही दिशा देने का सबसे सही समय होता है। आज के दौर में मोबाइल, ऑनलाइन क्लास और स्क्रीन टाइम ने बच्चों के शरीर और मन दोनों को थका दिया है। ऐसे में अगर 1 जनवरी से बच्चों को योग की आदत लग जाए, तो यह उनको जीवनभर के स्वस्थ और सफल बनाने में असरदार हो सकता है। योग बच्चों के लिए मात्र व्यायाम नहीं, अनुशासन, एकाग्रता और आत्मविश्वास सिखाने की भारतीय परंपरा है। योग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह बच्चों के शरीर को तो मजबूत बनाता ही है, साथ ही उनके मन को भी स्थिर करता है। बिना किसी मशीन, दवा या खर्च के सिर्फ रोज 20-25 मिनट का अभ्यास बच्चों की सेहत में बड़ा बदलाव ला सकता है। उनके मन को एकाग्र, मस्तिष्क को तेज और शार्प बनाता है।

हंसना मना है

एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है? आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया। भगवान हंसकर बोले - पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

प्रेमिका प्रेमी से- क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो? प्रेमी प्रेमिका से बोला- हां, प्रिये, मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं। प्रेमिका - जान मत दो , पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी - प्रिये ! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते हैं।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता-यार स्पेलिंग गलत हो गई!

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय , मैं एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय , मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं, मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मज़ाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा रहा करता था। वह भेड़े चराने जंगल में जाया करता था। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। वह जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। आवाज़ सुन कर गांव वाले लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। कैसे दौड़ते-दौड़ते आए हो सब, हाहाहा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? ऐसा कह कर सभी लोग वापस अपने अपने काम की ओर लौट गए। कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज़ सुनी। यह सुनते ही, वो फिर से मदद करने के लिए दौड़ पड़े। तो क्या देखते हैं? कि चरवाहा अपनी भेड़ों के साथ आराम से खड़ा है और गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों को और गुस्सा आया। उन सभी ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। उसने फिर दो-तीन बार ऐसा ही किया और मजाक में चिल्लाते हुए गांव वालों को इकट्ठा कर लिया। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वाले अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वाले नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वाले उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से मांफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे मॉफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

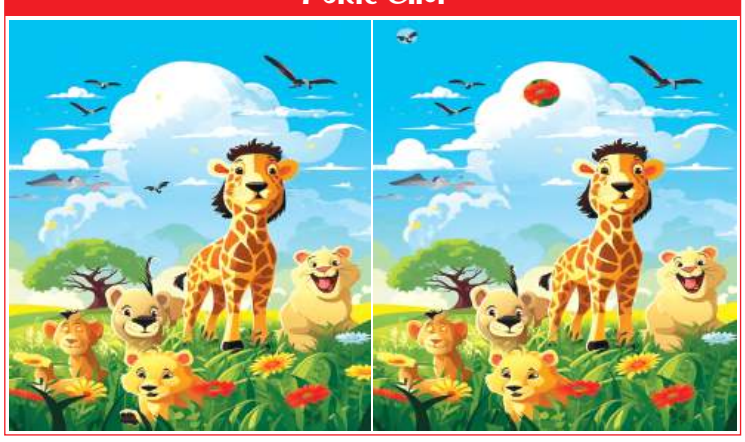

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ

दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी।

मिथुन

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। वाणी पर संयम रखें।

कर्क

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंह

फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्ययों में कमी करना चाहिए।

कन्या

डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

वृश्चिक

राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद।

धनु

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

मकर

राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

कुम्भ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

मीन

यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टार पैरेंट्स होना अच्छी बात है वे प्रचार में मदद करते हैं : शयाना

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। शनाया ने पिछले साल विक्रांत मैसी के साथ फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब शनाया ने स्टारकिड होने के फायदों के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी होने के उन्हें क्या फायदे हैं? निर्देशक-कोरियोग्राफर अपने हालिया वीडियो व्लॉग में शनाया कपूर और महीप कपूर के घर पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ शनाया के को-स्टार आदर्श गौरव भी नजर आए। इस दौरान फराह ने महीप और शनाया से बा९तचीत शुरू की और उनसे स्टार पेरेंट्स होने के फायदे या नुकसान के बारे में सवाल किया। इस पर शनाया ने कहा कि स्टार माता-पिता का होना अच्छी बात है क्योंकि वे फिल्म के प्रचार में मेरी मदद करते हैं। एक घटना का जिक्र करते हुए श ानाया ने बताया कि एक बार वह अपनी मां के साथ थिएटर में मार्टी सुप्रीम देखने गई थीं। तभी कुछ लड़कियों ने उन्हें नजरअंदाज करते हुए महीप के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। मैं वहां अपने फोन के साथ खड़ी थी और मैंने देखा कि कुछ लड़कियां हमारी तरफ आ रही हैं। मैंने सोचा, 'अरे, ट्रेलर अभी-अभी रिलीज हुआ है और शायद वो मेरे साथ फोटो खिंचवाना चाहती हैं। मैं उठने ही वाली थी कि तभी ये लड़कियां मेरी मां के पास गईं और बोलीं, 'हम आपकी बहुत बड़ी फैन हैं।' फिर उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप हमारी और अपनी मां की एक फोटो खींच सकती हैं? शनाया ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत पिछले साल आई फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से की थी। संतोष सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी नजर आए हैं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। अब शनाया अपनी दूसरी फिल्म तू या मैं से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

हार मानने को तैयार नहीं मर्दानी 3 12वें दिन कमाई में आया बंपर उछाल

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन जारी रखे हुए है। रिलीज का दूसरा हफ्ता पूरे करने की दहलीज पर खड़ी मर्दानी 3 ने बेहतरीन कमाई कर हर किसी को चौंका दिया है। रिलीज के 12वें दिन इस मूवी का कारोबार प्रभावशाली रहा है।

मर्दानी 3 के कलेक्शन का ताजा अपडेट जानकर आप सरप्राइज हो जाएंगे। ऐसे में आइए जानते हैं कि दूसरे मंगलवार को इस मूवी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ का बिजनेस किया है। बी टाउन एक्ट्रेस रानी मुखर्जी की मूवी मर्दानी 3 इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। अपनी शानदार कहानी के दम पर इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है, जिसके दम पर बॉक्स ऑफिस पर मर्दानी 3 दमदार परफॉर्मेंस देने में कामयाब हुई है। रिलीज के 12वें दिन मर्दानी 3 की कमाई में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार जहां बीते सोमवार को मर्दानी 3 ने 1 करोड़ 20 लाख की कमाई की थी, वहीं मंगलवार को इस फिल्म ने अनुमानित 1.50 करोड़ का कारोबार कर लिया है। इस तरह से मर्दानी 3 ने रिलीज के 12वें दिन कलेक्शन के मामले में रफ्तार पकड़ी है। इसके साथ ही अब मर्दानी 3 का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 40 करोड़ के नजदीक पहुंच गया है। मालूम हो कि मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीतने वालीं अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने मर्दानी 3 में अपनी बेहतरीन एक्टिंग का लोहा मनवाकर ये साबित कर दिया है कि सही मायनों में उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे कमाल की अदाकारा कहा जाता है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि यशराज फिल्म्स के बैनर तल बनने वाली मर्दानी 3 का अनुमानित बजट 40 करोड़ से अधिक है और अब ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इतना बिजनेस भी कर चुकी है। इस आधार पर मर्दानी 3 अब अपनी लागत निकालने के करीब पहुंच गई है।

अजय देवगन की दृश्यम-3 में हुई प्रकाश राज की एंट्री

दृश्यम 3 बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड मूवीज में शुमार है। अजय देवगन की ये फिल्म बीते समय से लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता की एंट्री के बाद दृश्यम 3 दोबारा से चर्चा में आ गई है।

सस्पेंस थ्रिलर में जिस एक्टर की एंट्री हुई है वह पहले भी अजय के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचा चुका है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन सा साउथ फिल्म कलाकार है, जो दृश्यम 3 में नजर आएगा।

जिस एक्टर के बारे में इस लेख में बात की जा रही है वह अजय देवगन के साथ सिंघम और गोलमाल अगेन जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुका है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि वह साउथ फिल्म अभिनेता कोई और नहीं बल्कि प्रकाश राज हैं। प्रकाश ने मंगलवार को अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर ट्वीट कर इस बात का जानकारी दी है कि उन्होंने दृश्यम 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्टर ने लिखा है-

इस दिलचस्प फ्रेंचाइजी दृश्यम 3 की हिंदी में शूटिंग शुरू कर दी है। एक शानदार टीम और एक शानदार रोल के साथ। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगी। ध्यान देने वाली बात ये है कि मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं।

प्रकाश राज के इस बयान से साफ हो गया है कि उन्होंने अक्षय खन्ना को इसमें रिप्लेस नहीं किया है। हाल ही में दृश्यम 3 के मेकर्स ने इस बात का जानकारी दी थी कि धुरंधर की रिलीज से एक दिन पहले अक्षय ने फिल्म को छोड़ दिया था, जिसके लिए उन्होंने बीते नवंबर में करार साइन किया था।

पहले दो भाग की अपार सफलता के बाद मेकर्स आने वाले समय में दृश्यम 3 के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। कुछ समय पहले सुपरस्टार अजय देवगन ने दृश्यम 3 की रिलीज डेट का एलान किया था, जिसके आधार पर 2 अक्टूबर 2026 को ये मूवी सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है बार्किंग डियर या भौंकने वाला हिरण

घास-पत्तियां ही नहीं, अंडे और छोटे जानवर भी खा जाता है यह जानवर, खतरा देख निकालने लगता है कुत्ते जैसी आवाज!

कल्पना कीजिए, आप किसी घने जंगल या पहाड़ी रास्ते से गुजर रहे हैं। आपके चारों तरफ सन्नाटा है, तभी अचानक कुत्ते के भौंकने जैसी तेज आवाज सुनाई देती है। ऐसे में किसी का भी डरना स्वाभाविक है। लेकिन हर बार यह आवाज किसी कुत्ते की नहीं होती। कई बार यह आवाज एक अनोखे और रहस्यमयी जानवर की होती है, जिसे बार्किंग डियर या भौंकने वाला हिरण कहा जाता है। नाम से भले ही यह एक मासूम हिरण लगे, लेकिन इसकी आदतें और व्यवहार इसे जंगल का बेहद सतर्क और दिलचस्प शिकारी बनाते हैं। दरअसल, बार्किंग डियर को वैज्ञानिक भाषा में मुंटजैक कहा जाता है। यह आकार में छोटा लेकिन बेहद फुर्तीला हिरण होता है। इसकी लंबाई लगभग 20 से 30 इंच और वजन सिर्फ 22.23 किलोग्राम के आसपास होता है।

नर हिरण के छोटे-छोटे सींग होते हैं, जो आमतौर पर 5 इंच से ज्यादा लंबे नहीं होते। इन सींगों में एक छोटा ब्रो-टाइन और साधारण बीम होता है, जिससे वह अपनी रक्षा करते हैं। पहली नजर में यह हिरण बेहद शांत और सुंदर लगता है, लेकिन इसके ऊपरी जबड़े में लंबे और नुकीले दांत

होते हैं। ये दांत सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि शिकार पकड़ने, दुश्मनों से लड़ने और भोजन चबाने में काम आते हैं। नर मुंटजैक अपने क्षेत्र को लेकर काफी आक्रामक होते हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे जानवरों से भिड़ने में भी पीछे नहीं हटते।

बार्किंग डियर की एक बड़ी खासियत यह है कि यह सर्वाहारी होता है, यानी यह सिर्फ घास-पत्तियां ही नहीं खाता। यह फल, बीज, टहनियां, पेड़ों की छाल और कोमल पत्तियां भी खाता है। इतना ही नहीं, जरूरत पड़ने पर यह पक्षियों के अंडे, छोटे जीव-जंतु और कभी-कभी मरे हुए जानवरों का मांस भी खा लेता है। इसी वजह से इसका खान-पान दूसरे साधारण हिरणों से अलग माना जाता है और यह जंगल में आसानी से अपने लिए भोजन ढूंढ लेता है। इस हिरण की सबसे अनोखी पहचान की बात करें तो वह है इसकी आवाज। जैसे ही इसे किसी खतरे का आभास होता है, यह कुत्ते की तरह जोर-जोर से भौंकना शुरू कर देता है। कई बार यह आवाज एक घंटे तक लगातार सुनाई देती रहती है। पहले लोग समझते थे कि यह प्रजनन या आपसी बातचीत का तरीका है, लेकिन वैज्ञानिकों ने रिसर्च में पता लगाया कि यह दरअसल शिकारियों को चेतावनी देने का तरीका है। मानो यह कह रहा हो- मैंने तुम्हें देख लिया है! इससे शिकारी अक्सर पीछे हट जाता है या हमला करने से बचता है।

बार्किंग डियर दिन और रात दोनों समय सक्रिय रहता है। यह घने जंगलों, झाड़ियों, घास के मैदानों और हिमालय की ढलानों तक में पाया जाता है। ये आमतौर पर अकेले या छोटे समूह में रहते हैं और पानी के स्रोत के पास रहना पसंद करते हैं। भारत के अलावा यह प्रजाति बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान और चीन समेत दक्षिण एशिया के कई देशों में पाई जाती है। इनकी संख्या अच्छी है, लेकिन जंगलों की कटाई और शिकार से इन पर खतरा भी बढ़ रहा है।

ये है दुनिया का सबसे छोटा पार्क जहां इंसान नहीं परियां रहती हैं

कल्पना कीजिए एक ऐसे पार्क की, जहां घूमने के लिए आपको घंटों चलने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप उसे एक कदम में पार कर सकते हैं। अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड शहर में स्थित 'मिल एंड्स पार्क' दुनिया का सबसे छोटा आधिकारिक पार्क है। मात्र दो फीट के व्यास वाला यह पार्क असल में सड़क के बीचों-बीच एक छोटा सी जगह है, जिसे यहां के लोग किसी विशाल नेशनल पार्क से कम नहीं मानते। इस पार्क की साख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दुनिया के सबसे छोटे पार्क के रूप में दर्ज है। इस अनोखे पार्क की कहानी साल 1948 में शुरू हुई थी। दरअसल, जिस जगह पर आज यह पार्क है, वहां नगर निगम ने एक लाइट का खंभा लगाने के लिए गड्ढा खोदा था। काफी दिनों तक जब खंभा नहीं लगा, तो वहां घास-फूस उगने लगी। पास ही स्थित 'ओरेगन जर्नल' के कॉलमनिस्ट डिक फागन की ऑफिस की खिड़की से यह गड्ढा साफ दिखता था। उन्होंने इस खाली जगह को खूबसूरत बनाने की ठानी और वहां फूल लगा दिए। फागन अपने कॉलम 'मिल एंड्स' में इस पार्क के बारे में काल्पनिक और मजेदार कहानियां लिखने लगे, जिससे यह छोटा सा गड्ढा रातों-रात मशहूर हो गया। डिक फागन अक्सर दावा करते थे कि इस पार्क में छोटे कद वाली परियां और लेप्रेचुन (आयरिश लोककथाओं के जादुई पात्र) रहते हैं, जिन्हें केवल वे ही देख सकते हैं। उन्होंने एक बार कहानी सुनाई कि उन्होंने एक लेप्रेचुन को वहां खुदाई करते हुए पकड़ा और उससे एक पार्क की इच्छा मांगी। चूंकि उन्होंने आकार नहीं बताया था, इसलिए उस लेप्रेचुन ने उन्हें वही छोटा सा छेद दे दिया। फागन ने उस लेप्रेचुन के मुखिया का नाम 'पैट्रिक ओ'टूल ' रखा था। 1969 में फागन की मौत के बाद भी शहर के लोगों ने इस पार्क की देखभाल जारी रखी और 1976 में इसे आधिकारिक तौर पर सिटी पार्क घोषित कर दिया गया। समय के साथ इस नन्हे पार्क में कई मजेदार चीजें जोड़ी गईं। यहां तितलियों के लिए एक छोटा सा स्विमिंग पूल और डाइविंग बोर्ड लगाया गया, एक नन्हा फेरिस व्हील (झूला) लाया गया और यहां तक कि छोटे से उड़न तश्तरी के मॉडल भी रखे गए। यहां अक्सर छोटे स्तर पर संगीत कार्यक्रम और पिकनिक आयोजित किए जाते हैं। हर साल सेंट पैट्रिक दिवस पर यहां विशेष उत्सव मनाया जाता है। भले ही यह पार्क महज एक फूल के गमले जैसा दिखता हो, लेकिन पोर्टलैंड के निवासियों के लिए यह उनकी संस्कृति और रचनात्मकता का एक बड़ा हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर विस में मचा सियासी घमासान

माफी की मांग पर वॉकआउट

» सीएम के बयान पर टकराव भाजपा ने बढ़ाया तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच कार्यवाही बाधित रही। भाजपा के विधायकों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा कथित तौर पर की गई असंसदीय टिप्पणियों पर माफी की मांग की और विरोध में सदन से वॉकआउट कर दिया।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने खड़े होकर कहा कि सदन के नेता मुख्यमंत्री को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए या उनकी अनुपस्थिति में स्पीकर की ओर से कोई स्पष्ट बयान जारी किया जाए। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने भाजपा सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील की और कहा कि जब सदन के नेता उपस्थित हों तब इस मुद्दे को उठाया जा सकता है। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने इस सुझाव का विरोध किया और अपने रुख पर कायम रहे। बाद में उन्होंने भाजपा विधायकों के साथ नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट किया। भाजपा सदस्यों ने डेरोगेटरी सरकार हाय-हाय और असंसदीय सरकार हाय-हाय के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए।

नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा विधायकों के साथ की नारेबाजी

भाजपा सदस्य असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर रहे : स्वास्थ्य मंत्री

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सकीना इट्टू ने आरोप लगाया कि भाजपा सदस्यों ने भी विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के खिलाफ असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया है। इस पर सुरिंदर चौधरी ने सुझाव दिया कि दोनों पक्षों द्वारा प्रयोग किए गए आपत्तिजनक शब्दों की जांच कर उन्हें कार्यवाही से हटाया जाए, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चल सके।

रोपवे परियोजना को एलजी ने दी मंजूरी

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खड़े होकर स्पष्ट किया कि रोपवे परियोजना को उनकी कैबिनेट की मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जांच कराई गई है और पाया गया कि सितंबर 2024 में इस परियोजना को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकृति दी थी, न कि कैबिनेट ने। मुख्यमंत्री के बयान पर भाजपा विधायकों ने आपत्ति जताई। एक विधायक ने दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि उसमें कैबिनेट की मंजूरी का उल्लेख है और वह कागज स्पीकर को भी सौंपा गया। इसके बाद सदन में माहौल और गरमा गया। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने इस मुद्दे को सिर्फ किसी क्षेत्र का नहीं बल्कि माता वैष्णो देवी के करोड़ों श्रद्धालुओं से जुड़ा विषय बताया। उन्होंने कुछ विधायकों पर लोगों को गुमराह करने और झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग भी कर डाली।

अजित पवार प्लेन क्रैश पर भतीजे रोहित ने लगाए कई गंभीर आरोप

» एनसीपी (एसपी) ने पायलट पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की 28 जनवरी की एयरक्राफ्ट दुर्घटना पर अब नया विस्फोटक मोड़ आ गया है। एनसीपी (एसपी) विधायक और उनके भतीजे रोहित पवार ने दावा किया कि यह हादसा सिर्फ एक एक्सीडेंट नहीं, बल्कि संभवत: एक साजिश भी हो सकता है। उन्होंने विमान की उड़ान से लेकर क्रैश के आखिरी सेकंड तक कई बड़े सवाल उठाए।

रोहित पवार ने बताया कि परिवार को यह जानकारी मिली है कि क्रैश से चंद सेकंड पहले पायलट की घबराई हुई आवाज़ सुनी गई। इससे संकेत मिलता है कि विमान में अचानक ऐसी तकनीकी गड़बड़ी आई जिसे पायलट संभाल नहीं पाए। क्या वह चेतावनी प्रणाली बंद थी या कोई अलर्ट पायलट को समय पर नहीं मिला? रोहित ने कहा कि हर फ्लाइट से पहले तकनीकी जांच (टेक लॉग) और प्रमाणन अनिवार्य है। उन्होंने पूछा कि किसने टेक लॉग पर साइन किया? रोज़ाना की चेकिंग किसने की? एयरक्राफ्ट को 'एयरवर्दी किसने घोषित किया? उन्होंने आरोप लगाया कि एयरलाइन कंपनी के मेंटेनेंस रिकॉर्ड में गंभीर कमियां थीं और कई प्रक्रियाओं को नज़रअंदाज़ किया गया। रोहित ने साफ किया कि सह-पायलट पाठक की कोई गलती नहीं थी, लेकिन मुख्य पायलट के फैसलों, व्यवहार और पिछले रिकॉर्ड पर कई संदेह हैं, उन्होंने कहा कि हर स्थिति की सच्चाई सामने लाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र, पारदर्शी और गहन जांच बेहद जरूरी है।

विजिबिलिटी को लेकर भी संदेह

रोहित पवार ने यह भी कहा कि नियम स्पष्ट रूप से बताते हैं कि लैंडिंग के लिए कम से कम 5 किलोमीटर की विजिबिलिटी अनिवार्य होती है, फिर भी हैंडलर और ग्राउंड टीम ने विजिबिलिटी को विलयर क्यों बताया? उन्होंने मुख्य पायलट कैप्टन कपूर की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्यों उन्होंने आसान रनवे 29 को छोड़कर कठिन रनवे 11 पर लैंडिंग का फैसला लिया क्या इस पर वीएसआर कंपनी का कोई दबाव था?

विरोधियों के फैलाए जा रहे झूठ से बचें पंजाबी : सीएम मान

» मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना पर हो रहे दुष्प्रचार पर बोले भगवंत मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाबवासियों से अपील की कि राज्य सरकार की ओर से हर परिवार के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से गुमराह न हों। एक वीडियो संदेश के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने लोक भलाई वाली इस प्रमुख योजना की शुरुआत की है ताकि पंजाब के हर नागरिक, खास तौर पर समाज के कमजोर वर्गों को कैशलेस इलाज तक सीधी पहुंच मिल सके।

इस पहल के बारे में बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। इसके तहत पंजाब का हर परिवार 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज करवा सकता है। इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब व्यापक स्तर पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। यह योजना लोगों पर वित्तीय बोझ को काफी कम करेगी और साथ ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करेगी।

पंजाब में तस्करी के लिए केंद्र जिम्मेदार

» कांग्रेस विधायक राणा ने केंद्रीय एजेंसियों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब में नशे की बढ़ती तस्करी को लेकर कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह ने केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जब पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 50 किलोमीटर क्षेत्र की सुरक्षा पूरी तरह बीएसएफ के अधीन है, तो इतनी बड़ी मात्रा में नशा राज्य के भीतर कैसे पहुंच रहा है। जालंधर में प्रेस वार्ता के दौरान राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि नशे की तस्करी की जिम्मेदारी केवल राज्य सरकार पर डालना गलत है, जबकि सीमा प्रबंधन केंद्र के हाथ में है।

इन आरोपों के बीच सामने आए 2025 के आंकड़े भी चिंताजनक तस्वीर पेश करते हैं। पंजाब पुलिस ने वर्ष 2025 में राज्य के अलग-अलग इलाकों से कुल 2,021 किलोग्राम (2 टन से अधिक) हेरोइन जब्त करने का दावा किया है, जो एक साल में अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी मानी जा रही है। इसके बावजूद राज्य के भीतर कुल जब्ती 2 टन से अधिक होना इस बात की ओर इशारा करता है कि नशा तस्करी का नेटवर्क बेहद संगठित और गहराई तक फैला हुआ है। राज्यपाल द्वारा निकाले गए नशा विरोधी मार्च पर भी राणा गुरजीत सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे मार्च केवल प्रतीकात्मक हैं। उनका कहना है कि यदि वास्तव में नशे पर लगाम लगानी है, तो तस्करों, उनकी सप्लाई चेन और उन्हें संरक्षण देने वाले तत्वों पर जमीनी स्तर पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। राज्यपाल राष्ट्रपति का प्रतिनिधित्व करते हैं उनको केंद्र सरकार के सामने सारी तस्वीर पेश करनी चाहिए कि सीमा पार से नशा आ रहा है और वहां पर सख्ती की जरूरत है।

हमें सीमा पर सख्ती की जरूरत

यह हेरोइन बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र से निकलकर सूबे में बरामद हुई है। इसका मतलब हमें सीमा पर सख्ती की जरूरत है। वहीं सीमा पर तैनात बीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2025 तक पंजाब सीमा क्षेत्र में पाकिस्तान से आए 272 ड्रोन जब्त किए गए। ड्रोन के जरिए गिराई गई 367 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद हुई। कई मामलों में हथियार और गोला-बारूद भी पकड़ा गया।

उद्धव गुट ने मेयर चुनाव में भाजपा का साथ दिया : नाना पटोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर महानगरपालिका मेयर चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों के समर्थन से बीजेपी की जीत के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस बड़ी पार्टी होते हुए भी अपना मेयर नहीं बना सकी। अब कांग्रेस नेता नाना पाटोले ने कहा कि हम खुद उद्धव ठाकरे के पास नहीं गए थे।

सोनिया गांधी के पास उद्धव ठाकरे और शरद पवार गए थे, जिसके बाद महाविकास अघाड़ी का गठन हुआ, यह अलायंस बीजेपी को रोकने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा, आज जिस तरह से चंद्रपुर में बीजेपी का साथ देकर उन्होंने हमसे दूरी बनाई है, हमें उसके लिए तकलीफ नहीं है लेकिन जो चंद्रपुर महानगरपालिका में हुआ, वो अच्छा नहीं हुआ। बीजेपी जैसी किसान विरोधी पार्टी का साथ देने का निर्णय सही नहीं था।

अभिषेक का नामीबिया के खिलाफ खेलने पर सस्पेंस बरकार

» पेट में कुछ समस्या के चलते अभ्यास सत्र में नहीं लिया हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत को टी20 विश्वकप में गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ मैच खेलना है। इससे पहले टीम के लिए एक चिंता की खबर सामने आई है। अभिषेक शर्मा की तबीयत ठीक नहीं है। और वह अस्पताल में भर्ती है, अभिषेक के पेट में कुछ समस्या है जिस कारण उनके नामीबिया के खिलाफ खेलने पर संशय पैदा हो गया है। भारत ने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में अमेरिका को हराया था।

बता दें रविवार को कोच गंभीर के घर डिनर के बाद भारतीय ओपनर की तबियत बिगड़ गयी। भारतीय टीम के सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे ने नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले कहा, वॉशिंगटन सोमवार को टीम के साथ जुड़ गए थे और मंगलवार को उन्होंने अभ्यास भी किया है। अभिषेक को अभी भी पेट में कुछ समस्या है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। बुमराह ने 10 दिन तक गेंदबाजी नहीं की थी, लेकिन अब वह काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं और उनका मूवमेंट अच्छा है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पूरी रफ्तार से गेंदबाजी की। बुमराह ने इस दौरान भारतीय कप्तान को अपनी रफ्तार से चकमा देते हुए बोल्ड भी किया। अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए। दोनों ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को सहजता से खेला। चोट से वापसी कर रहे ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर संभल कर क्षेत्ररक्षण अभ्यास करते हुए दिखे। उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते देखा गया। वॉशिंगटन ने बाद में तिलक वर्मा को गेंदबाजी भी की।

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, ऑलराउंडर हसरंगा टूर्नामेंट से बाहर

कोलंबो। श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा टी20 विश्वकप से बाहर हो गए हैं। हसरंगा को आयरलैंड के खिलाफ टीम के पहले मैच के दौरान चोट लगी थी। श्रीलंका के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि हसरंगा टीम के अहम सदस्य हैं। हसरंगा ने आयरलैंड के खिलाफ मैच में चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए थे। हसरंगा का सोमवार को एमआरआई स्कैन हुआ था जिसमें पता चला है कि उन्हें बाएं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी है। उनकी रिपोर्ट इंग्लैंड के एक विशेषज्ञ ने देखी है, लेकिन हसरंगा को इसके कारण टी20 विश्वकप से बाहर होना पड़ा है। हसरंगा पिछले कुछ वर्षों से चोट से जूझ रहे हैं जिसमें पैर की समस्या भी शामिल है। हसरंगा की जगह लेग स्पिनर गेंदबाजी ऑलराउंडर दुशान हेमंता श्रीलंका टीम में शामिल होंगे।

संसद में हंगामा जोरदार, नेता प्रतिपक्ष ने किया प्रहार

मार्शल आर्ट से चर्चा की शुरुआत कर राहुल ने केंद्र सरकार को घेरा, लोस अध्यक्ष पर भी वार, भाजपा ने भी कांग्रेस पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आज 11वां दिन है। दोनों सदनों में हंगामा जारी रहा। लोकसभा में हंगामे के कारण कई दिनों के बाद मंगलवार को आम बजट पर चर्चा शुरू हुई। राज्यसभा में भी बजट 2026 पर चर्चा कराई जा रही है। लोकसभा में बजट पर चर्चा जारी है, जबकि राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई है। आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर एकबार फिर हमला बोला। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर भाजपा सांसद शशांक मणि ने कहा, ओम बिरला ने अपनी कर्तव्य को जिम्मेदारी से निभाई है, और विपक्ष ने उन पर झूठे आरोप लगाए हैं। वे उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस लाए हैं। स्पीकर के साथ इस बर्ताव के लिए विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए।

मार्शल आर्ट के बारे में बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा- मार्शल आर्ट में सामने वाले को ग्रिप में लिया जाता है। ग्रिप में आने के बाद चोप में जाते हैं। पहले ग्रिप ली और फिर चोप में जाकर पकड़ लिए पूरा फोकस ग्रिप पर रहता है, ये करते हुए जब आदमी के हाथ में चोप आ जाता है, ग्रैपलिंग में जो अटैक करता है कि उसकी आंख में दिख जाता है। उसे लगता है कि मैंने कब्जा कर लिया। काम ग्रिप से शुरू होता है, ग्रिप राजनीति में होती है, कहां किसने ग्रिप ले रखी है, चोट कहां लगी है लोगों को पता नहीं होता है।

कांग्रेस सांसदों ने चेंबर में घुसकर स्पीकर को गालियां दीं, प्रियंका गांधी भी वहां मौजूद थीं : किरेन रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसदों पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद लोकसभा स्पीकर के चैंबर में घुस गए और उन्हें गाली दी। उन्होंने कहा, कम से कम 20-25 कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर के चैंबर में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौच की, मैं भी उस समय वहीं मौजूद था। स्पीकर बहुत नरम इंसान हैं, नहीं तो सख्त कार्रवाई होती। प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल समेत सीनियर कांग्रेस नेता भी उस समय वहीं मौजूद थे, और वे उन्हें लड़ने के लिए उकसा रहे थे। रिजिजू ने कहा कि स्पीकर इस घटना से बहुत दुखी हैं और उन्होंने खुद उनसे बात की है। उन्होंने सदन में बोलने की परमिशन को लेकर हुए विवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्पीकर के रूलिंग जारी करने के बाद, कथित तौर पर उसका पालन नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें बोलने के लिए किसी की परमिशन की जरूरत नहीं है और वे जैसा चाहेंगे वैसा बोलेंगे।

अविश्वास प्रस्ताव नोटिस में खामियां

संसद का बजट सत्र जारी है। इस बीच विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश किया, जिसके बाद अब स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस में खामियां सामने आई है, जिसके संशोधन के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, अविश्वास प्रस्ताव को लेकर 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए है। इस बीच अब लोकसभा सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष ओम बिरला ने सचिवालय को विपक्ष द्वारा प्रस्तुत दोषपूर्ण नोटिस को खारिज होने से बचाने के लिए उसमें संशोधन करने का निर्देश दिया और त्वरित कार्रवाई का आदेश दिया है।

हमारी देश की मजबूत स्थिति 1.4 अरब की आबादी : राहुल गांधी

लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि आज डॉलर को चुनौती दी जा रही, अमेरिका की सुप्रीमेसी को चुनौती दी जा रही है। अभी दुनिया अस्थिर है, मैं सर्वे से सहमत हूं, कई सॉफ्टवेयर इंजीनियर एआई से रिप्लेस होंगे। हमारी देश की मजबूत स्थिति 1.4 अरब की आबादी है, जो एनर्जी से भरी है, जो दुनिया को किसी भी स्तर पर चुनौती दे सकती है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि आजकल लोग डेटा बना रहे हैं। हमारे पास सबसे ज्यादा डेटा पूल है. 1.4 अरब लोग हैं। यानी बड़ी संख्या में भारत में डेटा जेनरेट किया जा रहा है। अगर आपके पास एआई है और आपके डेटा नहीं है तो आपके पास कुछ नहीं है. भारतीय डेटा और चीनी पूल डेटा, चीन के पास भी हमारी इतनी ही आबादी है, इसमें काफी रोचक चीजें निकलेंगी आपको मुसीबत के समय में क्या चाहिए, हमारे किसान भोजन देते हैं, लेबर श्रम करते हैं, हमारे आधुनिक देश को चलाने के लिए पेट्रोल, एनर्जी फ्यूल भी चाहिए। जूडो और मार्शल आर्ट से अपना भाषण शुरू करते हुए राहुल गांधी ने कहा,मैं आर्थिक सर्वे की तरफ देख रहा था। अमेरिका को चीन, रूस की तरफ से चुनौती दी जा रही है. हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं. जहां एनर्जी फाइनेंस को हथियार बनाया जा रहा है. हम स्टेबल दुनिया से से अस्थिर दुनिया की तरफ जा रहे हैं. यूक्रेन, गाजा मिडिल ईस्ट, ईरान में युद्ध हमने ऑपरेशन सिंदूर किया दुनिया अस्थिर है।

अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में मिली कमियां

लोकसभा सचिवालय सूत्र के मुताबिक विपक्षी सांसदों के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को हटाने की मांग वाले नोटिस में कमियां पाई गई हैं। नोटिस में फरवरी 2025 की घटनाओं का चार बार जिक्र है, जिसके आधार पर नियमों के मुताबिक इसे खारिज किया जा सकता था।

अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को चर्चा संभव

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर संसद में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। बता दें कि 13 फरवरी को बजट सत्र के पहले सत्र का अंतिम दिन है। इसके बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी और 9 मार्च को चर्चा की जा सकती है।

संसद के गेट पर विपक्ष का प्रदर्शन

संसद परिसर में विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन जारी है। मकर द्वार पर सांसदों ने विरोध जताया। जहां उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। उधर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में काम न करने वाले वाई-फाई हॉटस्पॉट के संबंध में जवाब किया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान डेडिकेटेड ग्रीन एनर्जी जोन के बारे में सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

राज्यसभा से इस्तीफा देंगी सुनेत्रा पवार

महाराष्ट्रकी उपमुख्यमंत्री और एनसीपी सांसद सुनेत्रा पवार आज राज्यसभा से इस्तीफा देंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुनेत्रा पवार गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगी।

सड़क हादसों से दहले राजस्थान व कर्नाटक

- दौसा में 6 की मौत
- कर्नाटक में भी दो अलग-अलग घटनाओं में गई 6 जानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग राज्यों से सड़क दुर्घटनाओं की अत्यंत दुखद खबरें सामने आई हैं। राजस्थान के दौसा में एक भीषण टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, वहीं कर्नाटक में भी दो हादसों में छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी। राजस्थान के दौसा जिले में नेशनल हाईवे-21 पर एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, सिकंदरा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघ गई और सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। कार से शवों को निकालने में करीब दो घंटे की मशक्कत करनी पड़ी, जो टक्कर में पूरी तरह से कुचल गई थी। जिस इलाके में एक्सीडेंट हुआ, वह सिकंदरा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। सभी पीड़ित कालाखोह के रहने वाले थे। वे एक शादी समारोह से लौट रहे थे। एक्सीडेंट से आधे घंटे पहले, ग्रुप ने शादी के कार्यक्रम की तस्वीरें ली थीं, जो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही हैं। पुलिस ने बताया कि रविवार को कर्नाटक में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की जान चली गई। बीदर जिले में, हुमनाबाद तालुक में हल्लीखेड़ा के पास नागन्ना क्रॉस के पास एक दुखद घटना हुई, जब एक मोटरसाइकिल पुल से टकरा गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की तुरंत मौत हो गई।

मरने वालों की पहचान वेंकट करतमल (40), उनकी पत्नी शिल्पा (35), और उनकी बेटी रक्षिता (12) के तौर पर हुई है, ये सभी राजेश्वर गांव के रहने वाले हैं। उनका बेटा दिगंबर (15) बच गया, लेकिन उसे गंभीर चोटें आईं और उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल पर चार लोग सवार थे, तभी ड्राइवर का कंट्रोल खो गया, जिससे वह पुल से टकरा गई।

श्रीनिवासपुर में एक कार पलटने से तीन मजदूरों की मौत

इस बीच, कोलार जिले में, श्रीनिवासपुर में एक कार पलटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। मरने वालों में आंध्र प्रदेश के मुनियाम्मा और वेंकटप्पा शामिल हैं। दस से ज्यादा लोग घायल हो गए और उन्हें आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले के एक हॉस्पिटल में ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसा तब हुआ जब मजदूर दिहाड़ी का काम खत्म करके घर लौट रहे थे। श्रीनिवासपुर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

भाजपा पार्षद रितु तावड़े निर्विरोध निर्वाचित हुईं बृहन्मुंबई की मेयर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम में एक बड़े राजनीतिक उलटफेर में, बीजेपी की रितु तावड़े ने निर्विरोध मेयर का पद हासिल कर लिया है, जिससे शिवसेना (यूबीटी) का 25 साल पुराना शासन खत्म हो गया। महायुति गठबंधन के स्पष्ट बहुमत और शिवसेना (यूबीटी) द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले ने इस ऐतिहासिक बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया।

भाजपा पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं। पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब भाजपा इस पद पर पहुंची है। शिवसेना की नगर निगम परिषद द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व समाप्त हो गया।

दिल्ली में फिर गड्ढा बना मौत का कुआं

रोहिणी में खुले सीवर में गिरकर एक और मजदूर की जान गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में अपनी एक की मौत का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि फिर और दर्दनाक हादसे ने पूरे सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। बता दें रोहिणी सेक्टर-32 में प्रशासन की लापरवाही का एक और भयावह मामला सामने आया है। यहां एक खुले सीवर मैनहोल में गिरने से बिरजू कुमार राय नामक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला था। खबर है कि यह घटना सोमवार शाम को बेगमपुर इलाके में महाशक्ति काली मंदिर के पास हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, बिरजू सोमवार शाम को रोहिणी सेक्टर 32 में अपने एक दोस्त के साथ टहल रहा था। टहलते समय बिरजू गलती से खुले सीवर मैनहोल में गिर गया। उसके आगे चल रहे उसके दोस्त को इस घटना का पता नहीं चला। मामला मंगलवार को ही सामने आया। बताया जा रहा है कि बिरजू और उसका दोस्त दोनों शराब पीकर घर लौट रहे थे। मंगलवार शाम को पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी गई। करीब तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद बिरजू की बॉडी सीवर से निकाली गई।

घटना के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने खुले मैनहोल को ढक दिया और आगे कोई हादसा न हो, इसके लिए आस-पास पत्थर रख दिए। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दोनों लोग मज़दूरी करते थे। उन्होंने दिन में पहले शराब पी थी और सोमवार रात करीब 9 बजे पैदल जा रहे थे, जब वे उस जगह से गुज़रे। पीछे चल रहा मज़दूर खुले मैनहोल में गिर गया, जबकि आगे वाले को पता ही नहीं चला कि क्या हुआ है।

केंद्र सरकार व यूजीसी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया नोटिस

यूजीसी नए नियम की दो नई याचिकाओं पर होगी सुनवाई, सभी मामलों को एक साथ सुनने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूजीसी के नए इक्विटी रेग्यूलेशन 2026 को चुनौती देने वाली दो नई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि इन दोनों याचिकाओं को पहले से लंबित मामलों के साथ जोड़ दिया जाए और सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जाए यह कदम ऐसे समय में आया है जब नए नियमों को लेकर देशभर में विरोध और कानूनी बहस तेज़ है।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी अर्जियों में आरोप लगाया है कि यूजीसी के नए नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं और समानता से जुड़े उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। विवाद का मुख्य मुद्दा यह है कि नए नियम 'कास्ट-बेस्ड डिस्क्रिमिनेशन की परिभाषा केवल एसी,एसटी और ओबीसी वर्गों तक सीमित कर देते हैं, जबकि याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि सामान्य वर्ग के छात्र भी भेदभाव का सामना कर सकते हैं और उन्हें भी संरक्षण मिलना चाहिए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी 2026 को यूजीसी के नए नियमों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने कहा था कि इन नियमों की भाषा अस्पष्ट है और ऐसे प्रावधान समाज में विभाजन की आशंका पैदा कर सकते हैं। तत्काल राहत देते हुए कोर्ट ने पुराने नियम लागू रखने के निर्देश भी दिए थे, साथ ही केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए नए नियमों पर दोबारा विचार करने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित करने का सुझाव भी दिया था।

कोर्ट बंगाल में हिंसा पर सख्त, एनआई को निर्देश- हाईकोर्ट में रिपोर्ट फाइल करें

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कहा कि वह यूएपीए कानून के तहत अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल करे। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को भी निर्देश दिया गया कि अगर उन्हें एनआईए जांच पर कोई आपत्ति है, तो वे हाईकोर्ट में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इस दौरान कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट केंद्र के निर्णय की वैधता भी देख सकती है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**